उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी(नैनीताल)

कृषि एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा

खाद्य एवं पोषण विभाग

द्वितीय छमाही सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि: 15 जून, 2012

कार्यक्रम शीर्षक : जनस्वास्थ्य एवं सामुदायिक पोषण में डिप्लोमा

कार्यक्रम कोड : डी0पी0एच0सी0एन0-10

कोर्स शीर्षक: सामुदायिक पोषण

कोर्स कोड: डी0पी0एच0सी0एन0–05

सत्र – 2011–12 **अधिकतम अंक**–20

नोटः प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'क' में 8 (आठ) लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं। इन आठ प्रश्नों में से अभ्यर्थी को केवल चार प्रश्न हल करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 2.5 (ढाई) अंको का है। इस प्रकार खण्ड 'क' के लिए कुल 10 (दस) अंक निर्धारित हैं। खण्ड 'ब' में कुल 4 (चार) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंको का है तथा अभ्यर्थी को केवल दो प्रश्न हल करने हैं। इस प्रकार खण्ड 'ब' के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

लघु उत्तरीय प्रश्न :

1. समुदाय में पोषण ज्ञान प्रदान करने के कारण बताइए। पोषण ज्ञान सम्बन्धी क्रियाओं की योजना बनाने तथा उनके क्रियांवन के मुख्य चरणों की चर्चा कीजिये।

2. पोषण ज्ञान की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

3. लौह लवण अभाव रक्ताल्पता के छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा वयस्क पुरुषों में क्या परिणाम दिखाई देते हैं?

4. निम्नलिखित को परिभाषित कीजिएः

   a. पोषण ज्ञान हेतु दूरस्थ विधि
   b. बाहुल्य पोषण
   c. सार्वजनिक वितरण प्रणाली
   d. आहारीय इतिहास
   e. अंत्योदय अन्न योजना

5. मोटापे की जटिलताओं, रोकथाम के उपायों तथा उपचार पर प्रकाश डालिये।

6. लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के विकास पर टिप्पणी कीजिए।

7. उपभोक्ता इकाई को परिभाषित कर उसकी महत्ता पर प्रकाश डालिये।

8. समुदाय में थायमिन, राइबोफ्लेविन तथा आयोडीन की कमी के कौन-से मुख्य नैदानिक लक्षण दिखाई देते हैं?

खण्ड 'ब'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः

1. अल्प पोषण को परिभाषित कर समुदाय में अल्प पोषण जन्य समस्याओं को विस्तारपूर्वक समझाइए।
2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े सर्वोच्च न्यायालय के सभी निर्देशों की व्याख्या कीजिये।
3. पोषण सर्वेक्षण हेतु प्रयोग की जाने वाली जैव रासायनिक विधियाँ कौन-सी हैं? समुदाय में पोषणीय मूल्यांकन के नैदानिक लक्षणों की चर्चा कीजिये।
4. स्वास्थ्य स्तर संकेतकों की परिभाषा तथा विशेषताएँ बताकर उनका वर्गीकरण कीजिए।